

Padma Shri



SHRI GURCHARAN SINGH

Shri Gurcharan Singh is a retired cricket coach from the Sports Authority of India. He is widely recognized across the cricket fraternity for his role in producing national and international cricketers.

2. Born on 25th March, 1935, Shri Singh passed his matriculation exam from City High School, Patiala. He completed a Certificate Course in cricket coaching under the Rajkumari Amrit Kaur Cricket Coaching Scheme in 1958; took a diploma in cricket coaching from the National Institute of Sports, Patiala in 1962 and secured an honorary B A (Hons) degree in Sports Management from the Croydon College of Business Management, London.

3. Shri Singh played first-class cricket for Punjab and Indian Railways from 1953 to 1969. He was NIS and later Sports Authority of India cricket coach at the National Stadium in New Delhi from July 1969 to June 1995. He was in the Board of Control for Cricket in India's zonal coach (North Zone) from December 1977 to December 1982 and BCCI National coach from July 1985 to July 1986. He conducted a three-month cricket coaching camp at Maldives. He was director-cum-chief coach of the Pace Bowling Academy at the Lakshmibai National College of Physical Education, Gwalior (Madhya Pradesh) from 1991 to 1993 and was honorary sports adviser to the Ministry of Food and Civil Supplies, Food Corporation of India and the Central Warehousing Corporation.

4. Shri Singh has produced 12 international players and more than 100 players who have represented various states and institutions in first-class cricket in the country and abroad. His prominent trainees are Shri Kirti Azad, Shri Surender Khanna, Shri Sunil Valson, Shri Maninder Singh, Shri Ajay Jadeja, Shri Murli Kartik, Shri Vivek Razdan, Shri Gursharan Singh, Shri Gagan Khoda, Shri Rahul Sanghvi, Shri Vijay Mehra (UAE) and Shri Nikhil Chopra.

5. Shri Singh received Dronacharya Award from the President of India in 1987.



श्री गुरचरण सिंह

श्री गुरचरण सिंह भारतीय खेल प्राधिकरण से सेवानिवृत्त क्रिकेट कोच हैं। वह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के क्रिकेट खिलाड़ी तैयार करने में अपनी भूमिका के लिए क्रिकेट बिरादरी में बहुत प्रसिद्ध हैं।

2. 25 मार्च, 1935 को जन्मे श्री सिंह ने सिटी हाई स्कूल, पटियाला से मैट्रिक की परीक्षा पास की; उन्होंने 1958 में राजकुमारी अमृत कौर क्रिकेट कोचिंग योजना के तहत क्रिकेट कोचिंग में सर्टिफिकेट कोर्स उत्तीर्ण किया; 1962 में राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला से क्रिकेट कोचिंग में डिप्लोमा लिया; और क्रॉयडन कॉलेज ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, लंदन से खेल प्रबंधन में बीए (ऑनर्स) की मानद डिग्री हासिल की।

3. श्री सिंह ने 1953 से 1969 तक पंजाब और भारतीय रेलवे के लिए प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेला। वह जुलाई 1969 से जून 1995 तक नई दिल्ली के नेशनल स्टेडियम में एनआईएस और बाद में भारतीय खेल प्राधिकरण के क्रिकेट कोच थे। वह दिसंबर 1977 से दिसंबर 1982 तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के जोनल कोच (उत्तरी क्षेत्र) और जुलाई 1985 से जुलाई 1986 तक बीसीसीआई के राष्ट्रीय कोच रहे। उन्होंने मालदीव में तीन महीने का क्रिकेट कोचिंग कैंप आयोजित किया। वह 1991 से 1993 तक लक्ष्मीबाई नेशनल कॉलेज ऑफ फिजिकल एजुकेशन, ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में पेस बॉलिंग अकादमी के निदेशक—सह—मुख्य कोच थे और खाद्य व नागरिक आपूर्ति मंत्रालय, भारतीय खाद्य निगम और केंद्रीय भंडारण निगम के मानद खेल सलाहकार थे।

4. श्री सिंह ने 12 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और 100 से अधिक खिलाड़ी तैयार किए हैं जिन्होंने देश और विदेश में प्रथम श्रेणी क्रिकेट में कई राज्यों और संस्थानों का प्रतिनिधित्व किया है। उनके सिखाए हुए प्रमुख लोगों में श्री कीर्ति आज़ाद, श्री सुरेंद्र खन्ना, श्री सुनील वाल्सन, श्री मनिंदर सिंह, श्री अजय जडेजा, श्री मुरली कार्तिक, श्री विवेक राजदान, श्री गुरशरण सिंह, श्री गगन खोड़ा, श्री राहुल संघवी, श्री विजय मेहरा (यूएई) और श्री निखिल चोपड़ा हैं।

5. श्री सिंह को 1987 में भारत के राष्ट्रपति से द्रोणाचार्य पुरस्कार प्राप्त हुआ।